हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका

संगम

विचार, अभिव्यक्ति एवं सृजन का मिलाप

खण्ड – 03 अंक – 02

जुलाई – सितम्बर 2014

निदेशक की कलम से.....

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। इस नाते उनके लिये कुछ ऐसे कर्तव्य निर्धारित है जिसका पालन करना अति आवश्यक है। प्राचीन काल में विद्यार्थी गुरूकुल में शिक्षा प्राप्त करते थे। परन्तु आज स्थिति कुछ अलग है। आज की प्रणाली में बच्चे गुरूकुल में शिक्षा अध्ययन न कर प्राथमिक विद्यालयों , माध्यमिक विद्यालयों व विश्वविद्यालयों मे पढ़ने जाते हैं। शिक्षक को ईश्वर का दूसरा रूप माना गया है, अतः शिक्षकों का उत्तरदायित्व बनता है कि वे अपने छात्रों को सही शिक्षा, प्रेरणा, सहनशीलता, व्यवहार कुशलता एवं उचित मार्गदर्शन करें और उनके भविष्य को उज्जवल बनायें। पूरे विश्व में शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिये अलग अलग दिनों में शिक्षक दिवस मनाया जाता है।

विगत तीन माह की गतिविधियों में विभिन्न विभागों द्वारा लघु अवधि पाठ्यक्रम, कार्यशाला तथा अनेकों सम्मेलनों के आयोजन के माध्यम से विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने प्रेरणादायी अनुभवों को साझा किया जाना सराहनीय प्रयास है। सत्रारम्भ के साथ नवप्रवेशी छात्रों को दीक्षारम्भ कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान के नियमों तथा वातावरण से परिचित कराकर उन्हें संस्थान द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गयी। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को लैपटाप वितरण कर आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास किया गया। हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर हिन्दी भाषा के अधिकतम प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया। परमाणु उर्जा विभाग के हीरक जयन्ती समारोह के अन्तर्गत राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के आयोजन की कड़ी में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई द्वारा '' देश की समृद्धि एवं विकास के लिये परमाणु ऊर्जा'' विषय पर एमएनएनआईटी इलाहाबाद में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाना गौरव की बात है

संस्थान की हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका''संगम'' के खण्ड–03, अंक–02 के प्रकाशन के लिये मैं अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूं।

संस्थान का स्तम्भ : रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान का तकनीकी एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा में महत्वपूर्ण स्थान है। संस्थान के प्रादुर्भाव के समय से यह प्रयुक्त विज्ञान विभाग का एक अनुभाग था। संस्थान के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के रूप में घोषित होने के उपरान्त, अप्रैल 2003 से प्रयुक्त गणित, प्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग चार स्वतन्त्र विभागों गणित, भौतिकी, रसायन और मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग में विभक्त हो गया।

रसायन विभाग द्वारा संस्थान के प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्रों को अनिवार्य विषय के रूप में रसायन विज्ञान के उन विषयों के सम्बन्ध में शिक्षण दिया जाता है, जिनकी प्रसांगिकता प्रौद्योगिकी शिक्षा में महत्वपूर्ण है। इन विषयों से सम्बन्धित कतिपय प्रयोग भी प्रयोगशाला में निष्पादित कराये जाते हैं। इसके अतिरिक्त रासायनिक अभियन्त्रण के छात्रों को द्वितीय वर्ष में कार्बनिक एवं भौतिकी रसायन से सम्बन्धित पाठ्यक्रम का शिक्षण एवं प्रयोग भी निष्पादित होता है।

रसायन अनुभाग एवं विभाग का संस्थान के शैक्षणिक एवं शोधकार्यों में सदैव ही समुचित योगदान रहा है। अप्रैल 2003 से पूर्व इस विभाग से चार तथा 2003 के पश्चात् अद्यतन 16 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हो चुकी है। विभाग में वर्तमान मे 19 शोधार्थी कार्यरत है। इसके अतिरिक्त विभाग के अध्यापकगण विभिन्न शोध–निकायों से पोषित शोध परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहे हैं। विभाग में मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार के पदार्थों के संश्लेषण एवं उनके अनुप्रयोग और आणविक पदार्थों के रासायनिक अध्ययन पर कार्य हो रहा है।

विभाग के सदस्यों एवं शोध छात्रों द्वारा दो सौ पचास से अधिक शोधपत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षकगण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठियों में विभाग का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद

इलाहाबाद –211004

यान्त्रिकी अभियान्त्रिकी विभाग द्वारा लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन

यान्त्रिकी अभियान्त्रिकी विभाग द्वारा ''कैड/कैम एण्ड एडवांस मशीनिंग'' विषय पर एक सप्ताह के अल्पअवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अल्पअवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समन्वयक डा. अविनाश कुमार दुबे, एसोसिएट प्रोफेसर यान्त्रिकी अभियान्त्रिकी विभाग थे। इस कार्यक्रम के उद्घाटन समरोह के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती थे। उन्होंने नैनोटेक्नालाजी के क्षेत्र में कैड/कैम के भूमिका की चर्चा की। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रो. पुनीत टण्डन, अधिष्ठाता, योजना एवं विकास, इण्डियन इन्स्टीट्यूट आफ इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी, जबलपुर, मध्यप्रदेश उपस्थित थे। प्रो. आर. के. श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया तथा डा. डी. के. शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संगणक विज्ञान एवं अभियान्त्रिकी विभाग द्वारा आईईईई पांचवें अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स कम्प्यूटर एवं कम्यूनिकेशन (आईसीसीटी 2014) का आयोजन

कम्प्युटर साइन्स एवं इन्जीनियरिंग विभाग में 26 सितम्बर से 28 सितम्बर तक आईईईई पांचवा अन्तर्राष्ट्रीय कान्फ्रेन्स कम्प्यूटर एवं कम्यूनिकेशन (आईसीसीटी 2014) का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ0 पीटर मुल्लर (आईबीएम ज्यूरिख रिसर्च लैब) ने क्वांटम कम्प्यूटिंग पर अपने सारगर्भित व्याख्यान से प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन किया गया। इसके अतिरिक्त 29 सितम्बर 2014 को विभाग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की समीक्षा एवं अद्यतनीकरण के लिये सेमीनार का आयोजन किया गया।

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन

रसायन विज्ञान विभाग द्वारा ''काइटिन, काइटोसन और प्रकाश रसायन विज्ञान'' विषय पर दो सप्ताह का अल्पअवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (स्व वित्तपोषित) का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि संस्थान के मुख्य अतिथि प्रो. पी. चक्रबर्ती ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रो. एस.एस. नार्वी विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग ने आये हुये अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा रसायन विज्ञान विभाग के इतिहास एवं उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। अल्पअवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के समन्वयक प्रो. पी. के. दत्ता ने पाठ्यक्रम के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। मुख्य अतिथि के रूप में अपने अभिभाषण में प्रो. पी. चक्रबर्ती ने अपने अनुभवों को साझा किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों को शोध के लिये कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये और व्युत्पन्न अनुसंधान के बजाय मूल अनुसंधान विषयों का चयन करने के लिये प्रोत्साहित किया। उन्होंने शोध क्षेत्र में बुनियादी विज्ञान के महत्व को रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान के सन्दर्भ में रेखांकित करते हुये अंतर्विषयक अनुसंधान के लिये प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और गुणवत्तापरक शोध पत्र प्रकाशित करने का सुझाव दिया। उन्होंने अपने अभिभाषण के अन्त में कापीराइट, अभिनव एवं स्वदेशी सोच, पेटेंट के व्यवसायीकरण आदि के बारे में संक्षेप में बताया। इस पाठ्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों से 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। डा. एन.डी. पाण्डेय ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

प्रयुक्त अभियान्त्रिकी विभाग द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

दिनांक 05 सितम्बर 2014 को विभाग में अप्लाइड मेकैनिक्स सोसायटी द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन संस्थान के न्यू लेक्चर हाल मे किया गया। वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान के बारे बताया तथा छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विभाग के संकाय सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।

नवप्रवेशी छात्रों को संस्थान के वातावरण तथा नियमों एवं मापदण्डो से परिचित कराने के लिये पारम्परिक आयोजन ''दीक्षारम्भ'' का आयोजन

जेईई के माध्यम से एमएनएनआईटी इलाहाबाद में प्रवेश पाने वाले नवप्रवेशी छात्रों को संस्थान के वातावरण तथा नियमों एवं मापदण्डो से परिचित कराने के लिये पारम्परिक उत्सव ''दीक्षारम्भ'' का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने गर्मजोशी से नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत किया तथा अपने सम्बोधन में कहा कि सभी छात्रों से उम्मीद है कि वे संस्थान में ज्ञान का अर्जन कर सफलता के शीर्ष पर पहुंचेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि छात्र जीवन में अनुशासन का महत्व है। इसलिये छात्रों को कोई भी नियम विरूद्ध कार्य नहीं करना चाहिये। अनुशासित जीवन व्यक्ति को सफलता के शिखर पर पहुंचाता है।

विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिष्ठाताओं ने नवप्रवेशी छात्रों को पाठ्यक्रम एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों सहित छात्र जीवन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। अधिष्ठाता (शैक्षिक) प्रो. के. के. शुक्ला ने संस्थान के नियमों एवं मापदण्डों से परिचित कराते हुये छात्रों से सस्थान में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने के लिये प्रोत्साहित किया। चीफ वार्डेन डा. आशीष कुमार सिहं ने छात्रावास के नियमों के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया और संस्थान तथा छात्रावास परिसर के बाहर सुरक्षा के बारे में बताया। प्रो. के. के. शुक्ला, अधिष्ठाता (शैक्षिक) चीफ प्राक्टर ने छात्र जीवन में अनुशासन के महत्व के बारे में बताया तथा व्यक्तित्व को संवारने में अनुशासन के महत्व पर बल दिया। अध्यक्ष, छात्र गतिविधि केन्द्र डा. शिवेश शर्मा ने पाठ्येत्तर गतिविधियों और व्यक्तित्व को संवारने में छात्र गतिविधि केन्द्र की भूमिका के बारे में बताया तथा यह भी कहा कि उम्मीद है कि सभी छात्र, छात्रगतिविधि केन्द्र के अन्तर्गत होने वाले सभी गतिविधियों में सक्रियता तथा उत्साह से भाग लेंगे। नवप्रवेशी छात्रों को इलाहाबाद शहर के बारे में संक्षिप्त में बताया गया तथा संस्थान की केन्द्रीय सुविधाओं जैसे– संस्थान स्वास्थ्य केन्द्र, केन्द्रीय पुस्तकालय, कम्प्यूटर सेन्टर तथा वर्कशाप द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को लैपटाप वितरण

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिये केन्द्र सरकार की योजना ''सेन्ट्रल फॉर स्कालरशिप ग्रान्ट ऑफ गवर्नमेन्ट ऑफ इंडिया, मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिज एण्ड इम्पावरमेन्ट'' के सहयोग से लैपटाप का वितरण किया गया। लैपटाप का वितरण संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती के करकमलों द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में 09 अनुसूचित जाति तथा 09 अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को लैपटाप का वितरण किया गया।

इस अवसर पर अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) प्रो. एम.एम. गोरे, उप अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) डा. राजीव श्रीवास्तव, डा. आशीष कुमार सिंह संकाय प्रभारी (वस्तुक्रय), डा. एस. जे. पवार (कन्वेनर, एस.सी./एस.टी. सेल) तथा डा. अवधेश नारायण, सदस्य (एस.सी./एस.टी. सेल) उपस्थित थे।

हिन्दी पखवाड़ा

एमएनएनआईटी इलाहाबाद द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने व्यक्तव्य में निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने कहा कि विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भाषा हिन्दी है। चीनी भाषा के बाद यह विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत और अन्य देशों में 60 करोड़ से अधिक लोग हिन्दी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं। हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सत्यजीत रे द्वारा लिखित नाटक ''असमन्जस बाबू की आत्मकथा'' का मंचन किया गया। इस प्रस्तुति में रंगमंच के कलाकार राजेश यादव द्वारा जीवन्त अभिनय किया गया।

कार्यक्रम की श्रंखला में अगली प्रस्तुति काव्य–सन्ध्या रही। इस काव्य–सन्ध्या में प्रख्यात कवि श्लेष गौतम ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को गुदगुदाया तथा वर्तमान व्यवस्था तथा मंहगाई पर करारा व्यंग कर श्रोताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। संस्थान के श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी ने '' हमारी अभिव्यक्तियों की जन्मदात्री मेरी मातृभाषा तुममे जो निजता है सहजता है और कहीं नहीं'' गीत सुना कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। काव्य–संध्या कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों ने भी स्वरचित हिन्दी कविताएं प्रस्तुत कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

इसके बाद संस्थान के छात्रों द्वारा हिन्दी नाटक का मंचन किया गया। एमएनएनआईटी इलाहाबाद राजभाषा हिन्दी को प्रोत्साहित करने के लिये प्रयासरत है। विगत जून माह में राजभाषा हिन्दी का सुगम प्रयोग विषय पर संस्थान के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को कार्यालयी कार्य को सुगम बनाने के लिये कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इसी कड़ी में संस्थान में विगत तीन वर्षों से हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका ''संगम'' का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

जानपदीय अभियन्त्रण विभाग में पांच दिवसीय अल्पअवधि पाठ्यक्रम का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के जानपदीय अभियन्त्रण विभाग में पांच दिवसीय ''लिमिट स्टेट डिजाइन फॉर स्टील स्ट्रक्चर'' (एलएसडीएसएस–2014) पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने दीप प्रज्वलित कर अपने व्यक्तव्य में कहा कि विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरन्तर परिवर्तन होते रहते हैं लेकिन, जिस नवाचार का निर्माण हो गया है उसे समाज में सहजता से प्रचार प्रसार कर प्रयोग लाना एक बड़ा कार्य है। जिसके लिए प्रबन्ध की दक्षता जरूरी है। इस तरह के पाठ्यक्रम कार्यशाला का आयोजन प्रबन्ध कौशल के निर्माण में सहायक हो सकता है।

पाठ्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक इन्जीनियर जीतेन्द्र त्यागी, डीएमआरसी (वर्क) तथा विशिष्ट अतिथि इन्जीनियर रमेश चन्द्र, मुख्य अभियन्ता, सी.पी.डब्ल्यू.डी. थे। पाठ्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस. के. दुग्गल के अनुसार भविष्य में बढ़ती जनसंख्या और सीमित भूमि की समस्या को देखते हुए हमे क्षैतिज रूप से निर्माण से ज्यादा ऊर्ध्वाधर निर्माण को प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। पांच दिवसीय पाठ्यक्रम में आमन्त्रित विशेषज्ञों द्वारा आज की परिस्थितियों में इस्पात की संरचना में होने वाले नये प्रयोग से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के निदान पर चर्चा तथा गम्भीर चिन्तन किया गया। पाठ्यक्रम में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों एवं सरकारी, सहकारी और गैर सरकारी विभागों से 100 से अधिक छात्र एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई द्वारा '' देश की समृद्धि एवं विकास के लिये परमाणु उर्जा'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

परमाणु उर्जा विभाग के हीरक जयन्ती समारोह के अन्तर्गत राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों के आयोजन की कड़ी में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई द्वारा '' देश की समृद्धि एवं विकास के लिये परमाणु उर्जा'' विषय पर एमएनएनआईटी इलाहाबाद में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के साथ ही भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र द्वारा बार्क तकनीक पर एक संक्षिप्त प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर एमएनएनआईटी निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने उपस्थित शिक्षकों तथा छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि ऊर्जा हर राष्ट्र की मौलिक आवश्यकता है, इस सन्दर्भ में परमाणु उर्जा देश की अर्थव्यवस्था, विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। श्री आर. के. सिंह, हेड, मीडिया रिलेशन एवं पब्लिक अवेयरनेस, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई के वैज्ञानिकों के एक दल के साथ भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई के तकनीक के प्रदर्शन हेतु आयोजित प्रदर्शनी के लिये एमएनएनआईटी में उपस्थित थे। पोस्टर गैलरी, इन्टरैक्टिव माडल, एलसीडी प्रेजेन्टेशन तथा कियोस्क के माध्यम से सूचनाओं को प्रदान करने के साथ ही परमाणु ऊर्जा के अनुप्रयोगों से सम्बन्धित श्रव्य दृश्य प्रस्तुतियां इस प्रदर्शनी में शामिल थी।

पोस्टर गैलरी के माध्यम से कृषि , खाद्य संरक्षण, भूमि का उपयोग, स्वास्थ्य एवं बायोमेडिकल उपकरण, पेयजल, ग्रामीण सशक्तीकरण, औद्योगिक अनुप्रयोग एवं विद्युत उत्पादन तथा राष्ट्र की सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्र को समायोजित किया गया। इन्टरैक्टिव माडल के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक क्षेत्रों में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र की परियोजनाओं की स्पेक्ट्रम प्राजेन्टेशन ने प्रदर्शनी में आये हुये आगन्तुकों एवं छात्रों को एक नया अनुभव प्राप्त हुआ। संगोष्ठी में भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई के विशेषज्ञ श्री आर. के. सिंह, श्री के. के. राय एवं श्री नन्द किशोर ने एटम फॉर डेवलपमेन्ट विषय पर वार्ता की।

छात्र क्रियाकलाप केन्द्र द्वारा व्यक्तित्व विकास के लिये ''वर्कशाप आन मीनिंगफुल लाइफ'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद के छात्र क्रियाकलाप केन्द्र द्वारा व्यक्तित्व विकास के लिये ''वर्कशाप आन मीनिंगफुल लाइफ'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रस्पिर्धात्मक वातावरण में छात्रों को अत्यधिक तनाव का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुये तनाव मुक्त जीवन के जीने के लिये नैतिक मूल्यों पर आधारित इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं को मानसिक तथा नैतिक रूप से मजबूत बनाना है। कार्यशाला में छात्रों, शिक्षकों तथा कर्मचारियों को ''अर्थपूर्ण जीवन'' विषय पर ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ दार्शनिक श्री रविराज सिंह ने ओजपूर्ण व्याख्यान दिया।

महापुरूषों के सिद्धान्तों का अनुसरण करने की प्रेरणा देते हुये इन्होंने ने मानवता के विकास और उसके सुचारू संचालन में व्यक्तित्व की महत्ता का वर्णन किया। अद्वैत वेदान्त की नींव आत्म–मंथन तथा आत्म–बोध के सम्बन्ध में भी अपने विचारों से छात्रों तथा उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को प्रभावित किया। दूसरे वक्ता श्री युधिष्ठिर कृष्ण, जो इस्कॉन सोसाइटी वृन्दावन से इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे, ने छात्रों को जीवन में अनुशासन तथा मन पर नियन्त्रण रखने के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर निदेशक महोदय ने उपस्थित शिक्षाविदों, छात्रगणों तथा कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रत्येक मानव को अपने जीवनमूल्यों के विकास के लिये महापुरूषों के आदर्शों, जीवन–दर्शन तथा उनके विचारों को आत्मसात करना आवश्यक है। उन्होंने इस कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य बताते हुये यह भी कहा कि आज के युग में युवा वर्ग में नैतिक मूल्यों का क्षरण एवं ह्रास बहुत ही तीव्रगति से हो रहा है। आदर्श जीवन मूल्यों और नैतिकता की उपयोगिता को रेखांकित करते हये युवाओं को मानसिक तथा नैतिक रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया।

स्वागत – 2014 का आयोजन

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में नवप्रवेशी छात्रों के स्वागत के लिये ''स्वागत–2014'' का आयोजन संस्थान के बहुउद्देशीय सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नवप्रवेशी छात्र–छात्राओं ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया। प्रथम वर्ष के छात्रों को ''स्वागत–2014'' के माध्यम से एमएनएनआईटी परिवार में औपचारिक रूप से शामिल किया जाता है जहां वे अपने वरिष्ठों के अनुभवों से लाभान्वित होते हैं तथा संस्थान की परम्पराओं से अवगत होते हैं। ''स्वागत–2014'' में अनेक रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो0 पी. चक्रबर्ती इस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर उन्होंने नवप्रवेशी छात्रों का स्वागत करते हुये उन्हें शुभकामनायें दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डा. आशीष कुमार सिंह, चीफ वार्डेन ने नवप्रवेशी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामनाओं सहित उनका स्वागत करते हुए उन्हें अनुशासित जीवन जीने की राह दिखाई। इस कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ संकाय सदस्यों डा. आर.पी. तिवारी, श्री असीम मुखर्जी डा. सिराज आलम, डा. राकेश कुमार इत्यादि की कोर कमेटी के मार्गनिर्देशन में किया गया। छात्रों की विभिन्न समितियों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों को प्रशिक्षित किया गया। डांस से सम्बन्धित कार्यक्रम में गरबा, पाश्चात्य नृत्य, भांगड़ा, राजस्थानी, बंगाली, मराठी, पपेट इत्यादि का प्रदर्शन प्रथम वर्ष के छात्रों ने किया। कार्यक्रम के अन्त में पारम्परिक तौर पर मिस फ्रेशर्स एवं मिस्टर फ्रेशर्स का चुनाव किया गया।

छात्र क्रियाकलाप केन्द्र तथा स्पिक मैके के संयुक्त तत्वाधान में सरोद वादन का आयोजन

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में छात्र क्रियाकलाप केन्द्र तथा स्पिक मैक के संयुक्त तत्वाधान में प्रख्यात सरोद वादक तेजेन्द्र नारायण मजूमदार ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया। इसके माध्यम से उन्होंने युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को लोकप्रिय बनाने का प्रयास किया। उन्होंने अपने सरोद वादन की शुरूआत राग ''गौड सारंग'' से की। मध्य लय की गत रूपक ताल में तथा द्रुत लय तीन ताल मे की गई प्रस्तुति ने श्रोताओं का मन मोह लिया। उन्होंने ''मांझ खमाज'' मे अद्भुत धुन पेश किया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुये कहा कि यह छात्रों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों के लिये यादगार क्षण है। आयोजन से लोगों को भारतीय संस्कृति को नजदीक से देखने एवं समझने का मौका मिला। यह युवाओं को भारतीय संस्कृति को आत्मसात करने के लिये प्रेरित करेगा।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह का आयोजन

संस्थान में स्वतन्त्रता दिवस समारोह बहुत ही धूमधाम से मानाया गया। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर पी0 चक्रबर्ती जी ने राष्ट्रीय ध्वज का पूरे सम्मान के साथ ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात उपस्थित जनसमूह द्वारा राष्ट्रगान का गायन किया गया। संस्थान के सुरक्षाकर्मी तथा एन0सी0सी0 कैडेटों द्वारा मार्चपास्ट किया गया। संस्थान के छात्र–छात्राओं द्वारा देश भक्ति से ओतप्रोत गीत गाये गये। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ संकाय सदस्य, छात्रगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। निदेशक महोदय ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुये स्वतन्त्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया तथा स्वतन्त्रता सेनानियों के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। कुलसचिव डा0 सर्वेश तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

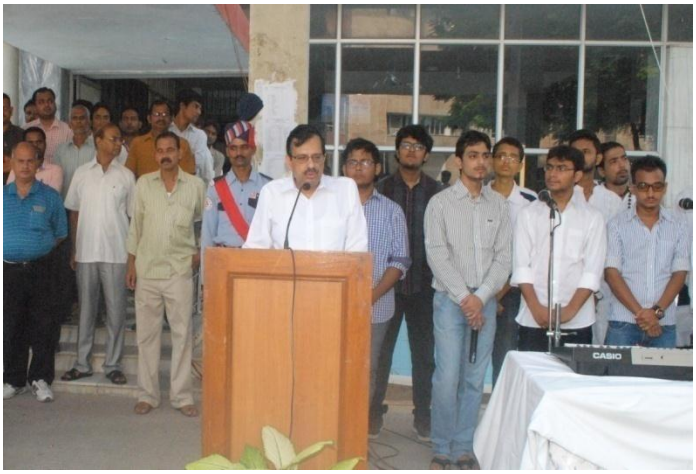

केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

केन्द्रीय पुस्तकालय एमएनएनआईटी इलाहाबाद द्वारा संस्थान के एम.पी. हाल में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तकों की प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान के निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. पी. चक्रबर्ती ने दीप प्रज्वलित करके किया। उक्त कार्यक्रम में शिक्षकगण सहित छात्र–छात्रायें भी उपस्थित थे। वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती हुई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने कहा कि संस्थान अपने छात्रों के बौद्धिक विकास रिसर्च के लिये आवश्यक अध्ययन सामग्री के लिये केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा समय–समय पर विश्वस्तरीय पुस्तकों की उपलब्धता के लिये पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन करता है, जिससे कि छात्र–छात्रओं को नवीनतम पुस्तकें उपलब्ध हो सकें और इसका उपयोग कर छात्र विश्वस्तर के टेक्नोक्रेट्स बन सकें। प्रो. इन्चार्ज पुस्तकालय एवं अध्यक्ष, एलएलआरसी प्रो. आर. के. नगरिया ने कहा कि यह पुस्तक प्रदर्शनी इन्जीनियरिंग, साइन्स एण्ड टेक्नोलाजी तथा प्रबन्धन अध्ययन के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों के लिये एक सुअवसर है। इस पुस्तक प्रदर्शनी स्प्रिंगर, ऐल्सवियर साइन्स डायनेक्ट, मैक्ग्रॉहिल, कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी प्रेस, रायल सोसाइटी आफ केमेस्ट्री यू.के, आईसीई यू.के,

एएसएमई यूएसए, इत्यादि प्रतिष्ठित प्रकाशन इस पुस्तक प्रदर्शनी में गुणवत्तापरक, ज्ञानवर्धन एवं उपयोगी पुस्तकों का प्रदर्शन कर रहे हैं। संकाय प्रभारी पुस्तकालय डा. शिवेश शर्मा ने कहा कि केन्द्रीय पुस्तकालय अपने शिक्षकों एवं छात्रों को सदैव विश्वस्तरीय अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराता है। पिछले वर्ष केन्द्रीय पुस्तकालय ने ई–बुक्स तथा ई–जरनल्स के संग्रह का क्रय अपने शिक्षकों तथा छात्रों के लिये किया था। केन्द्रीय पुस्तकालय अपने पाठकों को उत्कृष्ट एवं नवीनतम् तकनीकी से युक्त श्रेष्ठतम सेवा दे रहा है।

एमएनएनआईटी इलाहाबाद में ''जोश'' एवं ''जे. लाल' मेमोरियल टूर्नामेन्ट का आयोजन

खेलकूद हमेशा से ही मनोरंजन एवं प्रतिस्पर्धा का अनूठा समागम रहा है, खेल के इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुये एमएनएनआईटी इलाहाबाद के छात्र क्रियाकलाप केन्द्र की ओर से ''जोश एवं जे. लाल मेमोरियल टूर्नामेन्ट'' का आयोजन 15 सितम्बर से 22 सितम्बर 2014 तक किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कुल 14 खेलों का आयोजन किया गया। जिनमें फुटबाल, बास्केटबाल, वालीबाल, टेबल–टेनिस, लान–टेनिस, कबड्डी कैरम शतरंज आदि प्रमुख हैं। छात्राओं के लिये थ्रो बाल खेल का विशेष आयोजन किया गया हैं। साथ ही कुछ अनौपचारिक प्रतिस्पर्धात्मक खेलों का भी आयोजन किया गया। यह सारी प्रतियोगितायें सस्थान के फुटबाल मैदान, टेनिस कोर्ट, जिमखाना और एम.पी. हाल में आयोजित की गयी।

संस्थान के निदेशक प्रो. पी. चक्रबर्ती ने खेल को शिक्षा का अभिन्न अंग बताते हुये इन प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया है। उन्होंने कहा इस प्रतियोगिता से छात्रों में खेल भावना का विकास होगा साथ ही उनके व्यक्तित्व में भी निखार आयेगा। साथ ही उन्होंने खेल प्रशिक्षण हेतु हर प्रकार की मदद करने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने छात्र छात्राओं को प्रशिक्षित करने के लिये अलग अलग खेलों के लिये कोच भी नियुक्त किये हैं। इस प्रतियोगिता में देश के अनेक विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया।

माह जुलाई 2014 से सितम्बर 2014 के मध्य सेवानिवृत्त कर्मचारीगण

माह जुलाई 2014 से सितम्बर 2014 के मध्य संस्थान के श्री के. के. शुक्ला, अधीक्षक (एसजी– II) , श्री डी.एन. तिवारी अधीक्षक (एसजी– II), श्री अलताभ बिन अजहर, तकनीशियन (एसजी– II) एवं श्री हरीलाल, तकनीशियन (एसजी– II) संस्थान से सेवानिवृत्त हो गये। उपरोक्त सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों द्वारा संस्थान की प्रगति में किये गये अमूल्य योगदान के प्रति हम सभी उनके आभारी हैं।

संरक्षक : प्रो0 पी0 चक्रबर्ती, निदेशक
संयोजक : प्रो0 दिनेश चन्द्रा, डा0 सर्वेश कुमार तिवारी
सम्पादक मण्डल
प्रो0 नीरज त्यागी, डा0 आशीष कुमार सिंह
डा0 अनिल कुमार सिंह श्री रीतेश कुमार साहू